मेरे खाटू के श्याम | by Monu Meet

झोली अपनी पसारे खड़ा है गुलाम
मुझपे कृपा करो मेरे खाटू के श्याम

तुम बड़े दानवीर और दयावान हो
निर्धनों को भी करते तुम धनवान हो
इसलिए भक्त रटते हैं तेरा ही नाम
मुझपे कृपा करो मेरे खाटू के श्याम

हारे का तुम सहारा हो ऐ श्याम जी
दीन दुखियों को देते हो आराम जी
कष्ट भक्तों के हरते हो तुम ही तमाम
मुझपे कृपा करो मेरे खाटू के श्याम

मीत पे श्याम जी कृपा इतनी करो
खाली झोली को पल भर में इसकी भरो
सर झुका कर के करते हूँ तुमको प्रणाम
मुझपे कृपा करो मेरे खाटू के श्याम

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-monu-meet/